प्र10. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए : (3x2=6)

(i) आपने 'क्या निराश हुआ जाए' पाठ पढ़ा है। इस पाठ को पढ़ने के बाद मन में भारत के सुनहरे भविष्य को लेकर आशा की किरण जगती है। भावी नागरिक होते हुए आप कैसे भारत की कल्पना करते हैं?

(ii) गवरइया अपनी टोपी बनवाने में कैसे सफल हुई? पाठ 'टोपी' के आधार पर बताइए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में लिखिए : (2x3=6)

(i) दोषों का पर्दाफाश करना कब बुरा रूप ले लेता है?

(ii) गवरइया की टोपी सुंदर बनाने के लिए दर्ज़ी ने क्या किया और क्यों?

(iii) घायल बाज को देखकर साँप खुश क्यों हुआ?

प्र11. (क) दिए गए शब्दों के अर्थ लिखिए : (2)

मनोयोग, वियोग, निरीह, ढाँढ़स

(ख) दिए गए शब्दों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (2)

लक्ष्य, ओझल

प्र12. (क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर विस्तारपूर्वक दीजिए : (3x3=9)

(i) मामाजी के लिए गुड़िया आफत की पुड़िया कैसे बन गई? कहानी 'मूँछ बढ़ा के' के आधार पर बताइए।

(ii) बस में मामाजी के साथ क्या घटना घटी? कहानी 'प्यारी छतरी' के आधार पर बताइए।

(iii) सिविल लाइंस पहुँचकर पारो क्यों खराब हो गई? उसका क्या परिणाम हुआ? कहानी 'उल्टे गियर' के आधार पर बताइए।

(ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अति संक्षिप्त रूप में लिखिए : (3x1=3)

(i) पहलवान ने मामाजी को मूँछों के बारे में क्या हिदायत दी?

(ii) प्रतिभा कौन थी?

(iii) मामाजी गौरव और संजू को मोती झील क्यों लेकर जा रहे थे?

विषय : हिन्दी

समय : 3 घंटे पूर्णांक : 80

(खण्ड-क)

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

हम सबके मन में एक शक्ति होती है। वह हमें अच्छे कामों में लगाती है और बुरे कामों से रोकती है। हम कर्तव्यपालन करते हैं तो हमें बड़ी खुशी होती है। यदि हम कर्तव्यपालन से चूक जाते हैं तो हमें बड़ी निराशा होती है। हमारा मन पहली बार ही हमें कर्तव्य बतला देता है। अगर हम फिर मन की बात को दबाकर बुरे काम में लगें तो हमारा अपना ही दोष है। संसार में उन्हीं लोगों को सबसे अधिक सम्मान मिलता है, जो अपने कर्तव्य का ठीक तरह से पालन करते हैं। कर्तव्यपालन करने वाले मनुष्य के वचन और बर्ताव में सच्चाई होती है। वह एक मज़बूत चट्टान पर खड़ा होता है, उसे गिरने का भय नहीं होता है। वह अपने हर काम को ठीक ढंग से और उचित समय पर करता है। जो कर्तव्यपालन नहीं करता उसे सौ बहाने बनाने पड़ते हैं। उसे झूठ का आसरा लेना पड़ता है। समय पर अपना कर्तव्य करते रहने से काम अपने आप ही सफल होने लगते हैं। उसे सफलता पाने की आदत पड़ जाती है। कर्तव्यपालन करने वाला लगातार हर एक काम में सफल होता जाता है। वह निरन्तर उन्नति करता जाता है।

(क) हमें अच्छे-बुरे की पहचान कौन कराता है? (1)

(ख) कर्तव्य का पालन न करने से क्या हानि होती है? (1)

(ग) कर्तव्यनिष्ठ व्यक्ति की पहचान क्या है? (1)

प्र2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

संकटमुक्त कर दूसरों को जो करते हैं सत्कर्म,
राहत देकर दूसरों को ये बन जाते हैं वरदान,
ऐसे लोगों की कमी नहीं इस संसार में,
बिखरे पड़े हैं उपवन में खिले फूलों के समान।
कुछ अच्छा करने की चाह, पावन विचार, ईमानदारी, नेक इच्छाएँ,

दया भरे कार्य, देश पर मिटने की ललक व शुभ कामनाएँ।
कहीं आकाश से आए नहीं ये सत्कर्म,
मानव के अपने प्रयासों के ही हैं ये संस्कार,
हर किसी की पहुँच में हैं ये सचमुच,
चेष्टा जिसने भी की बन गए उसके अधिकार।

(क) किस प्रकार के लोग दूसरों के लिए वरदान बन जाते हैं? (1)

(ख) उपवन में खिले फूलों के समान किन्हें कहा गया है और क्यों? (1)

(ग) सत्कर्म किसके लिए संभव हैं? (1)

प्र3. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर 250 शब्दों में निबंध लिखिए। (6)

(क) वर्तमान राजनीति में मीडिया की भूमिका

(ख) दिल्ली की बदलती तस्वीर

(ग) पुस्तकें-हमारी सच्ची साथी

प्र4. आपके क्षेत्र में स्थापित 'पशु-पक्षी संरक्षण संस्था' की ओर से किए गए सराहनीय कार्यों का विवरण देते हुए समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए ताकि अन्य लोग भी इससे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। (4)

अथवा

अच्छा स्वास्थ्य महा वरदान माना जाता है। अच्छे स्वास्थ्य के लिए व्यायाम की आवश्यकता बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखिए।

प्र5. (क) नीचे लिखे शब्द से उपसर्ग व प्रत्यय अलग करके लिखिए : (1)

असामाजिक

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण रेखांकित कर भेद बताइए : (2)

(i) विशाल ने तीन किलो आम खरीदे।

(ii) मुकेश बुद्धिमान लड़का है।

(ग) निम्नलिखित वाक्यों में संरचना के आधार पर क्रिया रेखांकित कर भेद बताइए : (2)

(i) रमन ने एक सुन्दर घर बनवाया।

(ii) बच्चों ने निबंध लिख लिया है।

(घ) निम्नलिखित शब्दो से नामधातु क्रिया बनाइए : (1)

फ़िल्म, बात।

प्र6. (क) निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार काल-परिवर्तन कीजिए : (2)

(i) रोहन बाज़ार गया है। (संभाव्य भविष्यत् काल)

(ii) राजीव कविता पढ़ेगा। (अपूर्ण वर्तमानकाल)

(ख) निम्नलिखित वाक्यों में क्रिया-विशेषण रेखांकित कर भेद बताइए :

(i) वह अपने मित्र के घर परसों जाएगा। (2)

(ii) मोहन चुपचाप बैठा था।

(ग) निम्नलिखित रिक्त-स्थानों को उचित अव्यय शब्द भरकर पूरा कीजिए: (2)

(i) ..... आगे रास्ता बंद है।

(ii) रीमा अपनी सहेलियों ..... घूमने गई।

(iii) ..... यहाँ कितनी गंदगी है।

(iv) तुम मन लगाकर पढ़ो ..... प्रथम आ सको।

(घ) निम्नलिखित वाक्यों में उद्देश्य तथा विधेय अलग करके लिखिए : (2)

(i) विभा की माताजी स्वादिष्ट पकवान बनाती हैं।

(ii) वीर सैनिक हमारी सीमा की सुरक्षा करते हैं।

प्र7. (क) निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध कर दुबारा लिखिए : (2)

(i) राजेश ने अपना पक्ष सप्रमाणसहित प्रस्तुत किया।

(ii) मेरे को भी अपने साथ ले चलो।

(ख) निम्नलिखित मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (2)

कमर टूटना, हाथ मलना

(ग) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए एक शब्द लिखिए : (1)

(i) साथ पढ़ने वाला

(ii) जो जहाज़ पानी के अंदर चलता है

(खण्ड-ख)

प्र8. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) हम दीवानों की क्या हस्ती,
हैं आज यहाँ कल वहाँ चले,
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहाँ चले।
आए बनकर उल्लास अभी,
आँसू बनकर बह चले अभी,
सब कहते ही रह गए, अरे,
तुम कैसे आए, कहाँ चले?

(i) दीवाने समाज में अपनी पहचान क्यों नहीं बना पाते हैं? (2)

(ii) कवि ने अपने आने को 'उल्लास' और जाने को 'आँसू बनकर बह जाना क्यों कहा है? (2)

(iii) काव्यांश के कवि और भाषा का नाम बताइए। (1)

(ख) पक्षी और बादल,
ये भगवान के डाकिए हैं,
जो एक महादेश से
दूसरे महादेश को जाते हैं।
हम तो समझ नहीं पाते हैं,
मगर उनकी लाई चिट्ठियाँ,
पेड़, पौधे, पानी और पहाड़ बाँचते हैं।

(i) पक्षी और बादल को भगवान के डाकिए क्यों कहा है? (2)

(ii) ईश्वर के इन डाकियों के संदेशों को कौन-कौन समझ पाता है? (1)

(ग) (i) 'अभी भी झरती हुई पत्ती थामने को बैठा है हाथ एक' - इस पंक्ति के द्वारा कवयित्री ने क्या संदेश दिया है? कविता 'यह सबसे कठिन समय नहीं' के आधार पर बताइए। (2)

(ii) 'सूर के पद' की कोई दो भाषागत विशेषताएँ बताइए। (1)

प्र9. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(क) ठगा भी गया हूँ, धोखा भी खाया है, परंतु कम स्थलों पर विश्वासघात नाम की चीज़ मिलती है। केवल उन्हीं बातों का हिसाब रखो जिसमें धोखा खाया है तो जीवन कष्टकर हो जाएगा, परंतु ऐसी घटनाएँ भी बहुत कम नहीं हैं जब लोगों ने अकारण सहायता की है, निराश मन को ढाँढ़स दिया है और हिम्मत बँधाई है। कविवर रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने प्रार्थना गीत में भगवान से प्रार्थना की है कि संसार में केवल नुकसान ही उठाना पड़े, धोखा ही खाना पड़े तो ऐसे अवसरों पर भी हे प्रभो! मुझे ऐसी शक्ति दो कि मैं तुम्हारे ऊपर संदेह न करूँ।

(i) लेखक बुरी बातों की बजाय अच्छी बातों को ही याद रखने की प्रेरणा क्यों देते हैं? (2)

(ii) रवींद्रनाथ ठाकुर ने अपने गीत में ईश्वर से क्या प्रार्थना की है? (1)

(ख) बाज की ऐसी करुण चीख सुनकर साँप कुछ सिटपिटा-सा गया। एक क्षण के लिए उसके मन में उस आकाश के प्रति इच्छा पैदा हो गई जिसके वियोग में बाज इतना व्याकुल होकर छटपटा रहा था। उसने बाज से कहा - "यदि तुम्हें स्वतंत्रता इतनी प्यारी है तो इस चट्टान के किनारे से ऊपर क्यों नहीं उड़ जाने की कोशिश करते। हो सकता है कि तुम्हारे पैरों में अभी इतनी ताकत बाकी हो कि तुम आकाश में उड़ सको। कोशिश करने में क्या हर्ज़ है?" बाज में एक नई आशा जाग उठी। वह दूने उत्साह से अपने घायल शरीर को घसीटता हुआ चट्टान के किनारे तक खींच लाया। खुले आकाश को देखकर उसकी आँखें चमक उठीं। उसने एक गहरी, लंबी साँस ली और अपने पंख फैलाकर हवा में कूद पड़ा।

(i) बाज को तड़पता देख साँप ने उसे क्या सलाह दी? (1)

(ii) बाज के मन में कौन-सी नई आशा जागी? उसने क्या किया? (2)